वन्यजीव संरक्षण में एक उपलब्धि

सुंदरवन बायोस्फीयर रिजर्व में खारे पानी के मगरमच्छों का हाल ही में सर्वेक्षण किया गया है। उनकी संख्या में हुई वृद्धि पारिस्थितिक सफलता का संकेत देती है। यह इस बात की भी प्रतीक है कि कैसे वन्यजीव कानून और संरक्षण नीति बाघ और हाथी सहित कुछ आकर्षक प्रजातियों से आगे बढ़ रही है। कुछ अन्य अर्थों में भी यह महत्वपूर्ण है -

- मगरमच्छों को अच्छा शिकारी माना जाता है। ये शिकार करके छोटे जल जीवों की आबादी को नियंत्रित करते हैं, और जल मार्गों से शवों को हटाते हैं। इससे मैंग्रोव स्वस्थ रहते हैं।

- इनकी बढ़ती उपस्थिति दिखाती है कि खाड़ियों और नदियों में बढ़ती मानव बस्तियों, चक्रवातों और समुद्र के स्तरों में भारी दबाव के बावजूद अभी भी एक गतिशील खाद्य श्रृंखला काम कर रही है।

- यह इस बात का भी सूचक है कि मांसाहारी जलजीवों के लिए प्रजनन की जगहें सुरक्षित हैं। डेल्टा में ऐसा होना महत्वपूर्ण है, क्योंकि यहाँ बढ़ती लवणता और कटाव ने वन्यजीवों के लिए आवास सीमित कर दिए हैं।

- मगरमच्छ आबादी की स्थिर आयु संरचना से अन्य उपेक्षित प्रजातियों के लिए भी योजनाएँ बनाई जा सकती हैं। मगरमच्छों की संख्या को जिस प्रकार निवेश से बढ़ाया गया है, वही तरीका अन्य प्रजातियों के लिए लाभकारी हो सकता है।

- इस उपलब्धि से पता चलता है कि सामान्य समझी जाने वाली प्रजातियों को भी कानून और नीति के सही क्रियान्वयन से संरक्षित किया जा सकता है।

'द हिंदू' में प्रकाशित संपादकीय पर आधारित। 13 सितंबर 2025